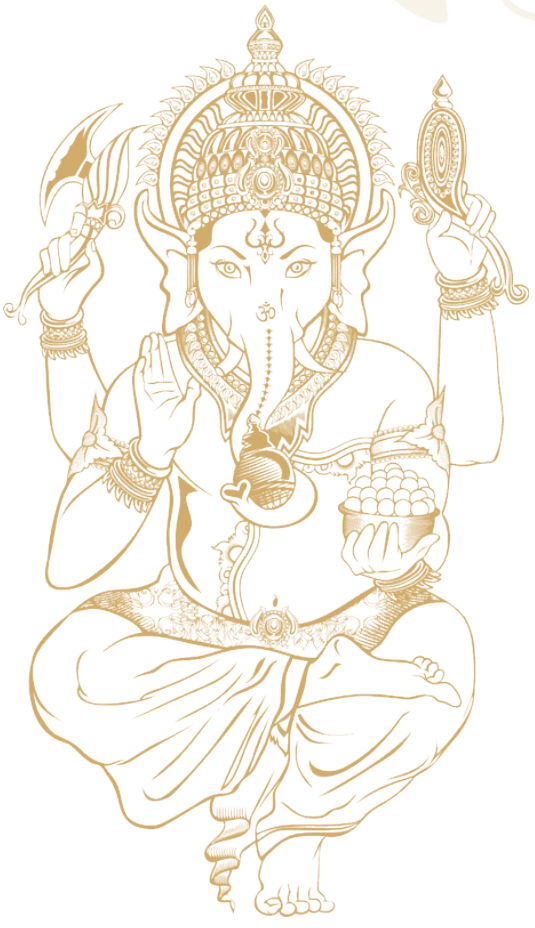

Mr. Pramsingh

Ms.komal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119916102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/07/2011	जन्म तिथि	24/10/2013
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	19:50:00 घंटे
घटी 25:32:55	जन्म समय(घटी)	33:25:15 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:46:50	सूर्योदय	06:27:54
19:16:15	सूर्यास्त	17:53:42
24:01:22	चित्रपक्षीय अयनांश	24:03:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 6मा 27दि	08:10:08	वृश्चि	लग्न	वृष	11:24:48	राहु 11वर्ष 9मा 8दि
राहु	21:55:22	मिथु	सूर्य	तुला	07:16:56	गुरु
03/02/2018	24:08:24	कन्या	चंद्र	मिथु	11:16:45	02/08/2025
04/02/2036	18:13:11	वृष	मंगल	सिंह	11:21:38	02/08/2041
राहु 16/10/2020	15:41:08	कर्क	बुध व	तुला	23:39:00	गुरु 21/09/2027
गुरु 12/03/2023	12:04:12	मेष	गुरु	मिथु	26:09:09	शनि 03/04/2030
शनि 16/01/2026	11:11:29	मिथु	शुक्र	वृश्चि	24:04:18	बुध 09/07/2032
बुध 04/08/2028	16:57:00	कन्या	शनि	तुला	18:38:35	केतु 15/06/2033
केतु 23/08/2029	29:14:21	वृश्चि	राहु	तुला	13:42:23	शुक्र 14/02/2036
शुक्र 23/08/2032	29:14:21	वृष	केतु	मेष	13:42:23	सूर्य 02/12/2036
सूर्य 17/07/2033	10:32:26	मीन	हर्ष व	मीन	15:39:19	चन्द्र 03/04/2038
चन्द्र 16/01/2035	06:35:12	कुंभ व	नेप व	कुंभ	08:38:22	मंगल 10/03/2039
मंगल 04/02/2036	11:55:16	धनु व	प्लूटो	धनु	15:13:55	राहु 02/08/2041

लग्न-चलित

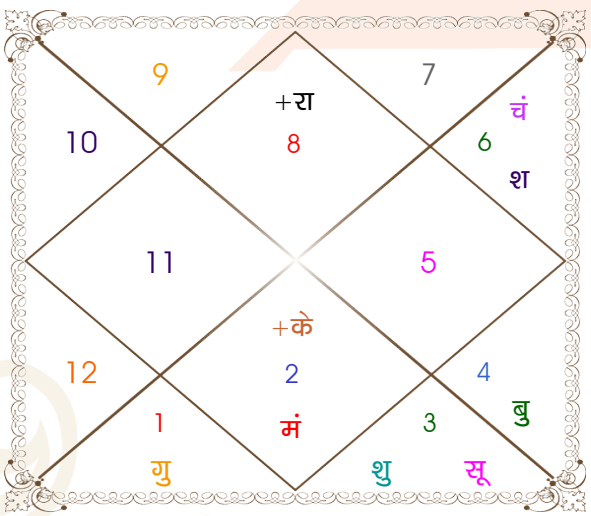

लग्न-चलित

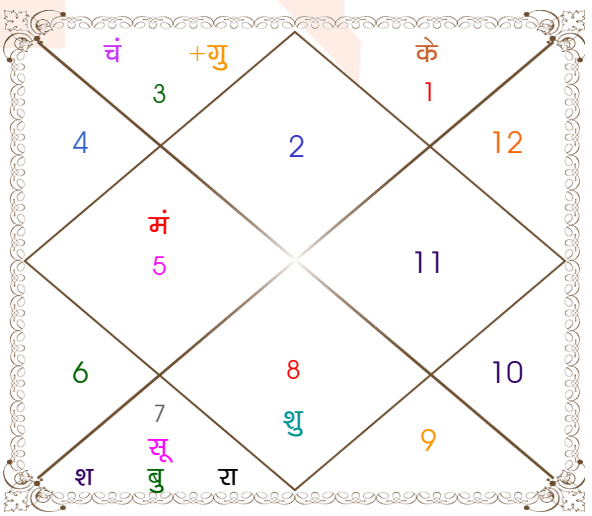

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण् च्तंउेपदही का वर्ग मूषक है तथा डेणवउंस का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् च्तंउेपदही और डेणवउंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् च्तंउेपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डतण् च्तंउेपदही कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेणवउंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेणवउंस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण् च्तंउेपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् च्तंउेपदही तथा डेणवउंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।